

प्रेषक,

सी० एस० नपलच्याल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

परिवहन आयुक्त
उत्तराखण्ड,
कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड़
देहरादून।

परिवहन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 22 जुलाई, 2016

विषय- चालक प्रशिक्षण संस्थान, झाझरा में हिल ट्रैक के निर्माण के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या- 202/नियोजन/13-92/2016, दिनांक 19.07.2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि परियोजना प्रबन्धक निर्माण ईकाई, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम द्वारा गठित आगणन की लागत ₹319.38 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा आगणित औचित्यपूर्ण अनुमोदित धनराशि ₹ 275.80 लाख तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के प्राविधानों से आच्छादित कार्यों के लिए ₹41.49 लाख अर्थात् औचित्यपूर्ण आगणन ₹317.29 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ वित्तीय वर्ष 2015-16 में ₹80.00 लाख की धनराशि शासनादेश दिनांक 04.03.2016 द्वारा निर्गत की जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए ₹26.67 लाख (रुपया छब्बीस लाख सड़सठ हजार मात्र) की धनराशि को श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(i) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।

(ii) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

(iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(v) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

(vi) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

(vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(viii) कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 24 के लेखाशीर्षक 5055-सड़क परिवहन पर पूंजीगत परिव्यय 00-आयोजनागत 050-भूमि तथा भवन-04 देहरादून में चालक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना-24 वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/xxvii(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

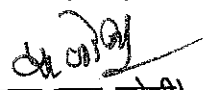
(सी एस0 नपलच्याल)
सचिव।

संख्या- 520 (1)/2016/IX-1/08(13)/2016, तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेश सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
- 3- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23-लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
- 4- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 6- आहरण वितरण अधिकारी, परिवहन आयुक्त कार्यालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 7- वित्त अनु-2।
- 8- नियोजन अनुभाग।
- 9- एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(प्रकाश चन्द्र जोशी)
उप सचिव।